



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 11 जून, 2026

जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: (i) आज, 11 जून 2026 को दक्षिण-पश्चिम मॉनसून कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ और हिस्सों, तमिलनाडु के बाकी हिस्सों, पश्चिम बंगाल के कुछ और हिस्सों और बिहार के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है।

(ii) वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से 13 तारीख तक उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश का दौर चलने की संभावना है। साथ ही, 11 और 12 जून 2026 को तेज़ हवाओं (50-60 किमी/घंटा) के साथ आंधी-तूफान और ओलावृष्टि की भी संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (परिशिष्ट I):

- ❖ आज, 11 जून 2026 को दक्षिण-पश्चिम मॉनसून कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ और हिस्सों; तमिलनाडु और पुडुचेरी के बाकी हिस्सों; दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी; पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल के कुछ और हिस्सों; और बिहार के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है।
- ❖ 11 जून को मॉनसून की उत्तरी सीमा $18^{\circ}\text{N}/60^{\circ}\text{E}$, $18^{\circ}\text{N}/65^{\circ}\text{E}$, $18^{\circ}\text{N}/70^{\circ}\text{E}$, हरनाई, सोलापुर, हैदराबाद, भद्राद्री कोठागुडेम, कर्लिंगपट्टनम, $21.5^{\circ}\text{N}/89^{\circ}\text{E}$, $23^{\circ}\text{N}/90^{\circ}\text{E}$, रायगंज, $26^{\circ}\text{N}/87^{\circ}\text{E}$, मधुबनी और $28.5^{\circ}\text{N}/83^{\circ}\text{E}$ से होकर गुजरती है।
- ❖ अगले 2-3 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के मध्य अरब सागर और महाराष्ट्र के कुछ और हिस्सों; कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश के बाकी हिस्सों; पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी; पश्चिम बंगाल और बिहार के कुछ और हिस्सों; और छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हैं।

आज, 11 जून, 2026 को सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, तटीय आंध्र प्रदेश और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, असम, अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ ओडिशा, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, बिहार, पंजाब, उत्तराखंड, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और कच्छ में कुछ जगहों पर 60-90 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया; वहीं तमिलनाडु, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र और त्रिपुरा में कुछ जगहों पर हवा की रफ्तार 40-60 किमी/घंटा रही।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश और पंजाब में कुछ जगहों पर लू (हीटवेव) जैसी स्थिति रही।

आज सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान की स्थिति:

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (10-06-2026 तक): कल, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और उससे सटे पूर्वी भारत के कई हिस्सों में दिन/अधिकतम तापमान 40-46°C के बीच रहा। देश के बाकी हिस्सों में तापमान 40°C से कम रहा। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 46.2°C बठिंडा (पंजाब) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (10-06-2026 तक) विदर्भ और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ज्यादा (> 5.1°C) रहा; ओडिशा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ अलग-अलग जगहों पर भी ऐसा ही रहा। पंजाब में ज्यादातर जगहों पर; पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कुछ जगहों पर; असम और मेघालय, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, बिहार, पश्चिमी राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कुछ अलग-अलग जगहों पर तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा। अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड और तटीय कर्नाटक में कुछ जगहों पर; पूर्वी राजस्थान में कुछ अलग-अलग जगहों पर तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, रायलसीमा और केरल और माहे में कई जगहों पर; झारखंड, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और लक्षद्वीप में ज्यादातर जगहों पर तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहा।
- ❖ रात का तापमान/न्यूनतम तापमान (11-06-2026 तक) कोंकण और गोवा, रायलसीमा और लक्षद्वीप में सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) है; पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात राज्य, कोंकण और गोवा को छोड़कर महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे में सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) है; और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम या सामान्य के आस-पास है।

मौसम प्रणाली, पूर्वानुमान और चेतावनी (परिशिष्ट II और III):

- ❖ मध्य ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ), जो लगभग 70°E देशांतर के साथ 30°N अक्षांश के उत्तर में एक ट्रफ (कम दबाव का क्षेत्र) के रूप में है।
- ❖ हरियाणा और उसके आस-पास के इलाकों में निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवाती परिसंचरण)।
- ❖ हरियाणा में ऊपर बताए गए साइक्लोनिक सर्कुलेशन से उत्तर-पूर्वी अरब सागर तक एक ट्रफ, जो पश्चिमी राजस्थान, गुजरात और सौराष्ट्र-कच्छ से होकर निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर गुजरती है।
- ❖ दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश और उसके आस-पास के इलाकों में निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन।
- ❖ बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य हिस्से और उससे सटे उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन।
- ❖ दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश और उसके आस-पास के इलाकों में निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन।
- ❖ पूर्वी-मध्य अरब सागर से बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य हिस्से तक एक ट्रफ, जो दक्षिणी कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना और दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर बताए गए साइक्लोनिक सर्कुलेशन से होकर निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर गुजरती है।
- ❖ उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और उसके आस-पास के इलाकों में मध्य ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन।
- ❖ समुद्र तल पर एक मौसमी ट्रफ, जो दक्षिणी पंजाब से दक्षिणी बांग्लादेश तक फैली है और हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़, झारखंड और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में ऊपर बताए गए साइक्लोनिक सर्कुलेशन से होकर गुजरती है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 11-12 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में; और 12-13 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 11-12 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; और 11 जून को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 13-17 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में; और 11 जून तथा 14-17 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 13-17 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 12-17 जून के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 11-13 जून और 17 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 11-17 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 13-14 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 11-13 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश में; और 13-15 जून के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 14-16 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 13-17 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 13 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 14-17 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 11-12 जून के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 11 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में।
- ❖ 11-12 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी राजस्थान में; और 11 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तेज़ आंधी-तूफान (हवा की गति 60-70 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 11-12 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में; 12 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 13 जून को पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में तेज़ आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 11-12 जून के दौरान हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, पंजाब, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 11 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 11-13 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 11 से 17 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 11 जून तथा 13 से 17 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12 जून को छत्तीसगढ़ में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 11 जून और 13 से 15 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 11 जून को विदर्भ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 14 से 15 जून के दौरान विदर्भ में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 13 से 15 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ 12 जून को पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 12 से 13 जून के दौरान विदर्भ में; और 11 से 12 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में तेज़ आंधी-तूफान (हवा की रफ्तार 50-60 किमी/घंटा, झोंके 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 12 जून को पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 11-17 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 11-13 जून के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 12-13 जून के दौरान झारखंड और ओडिशा में; और 11-12 जून के दौरान बिहार में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 14-17 जून के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 11 जून और 14-17 जून के दौरान झारखंड और ओडिशा में; और 13-17 जून के दौरान बिहार में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 13-17 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 11-17 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 14-17 जून के दौरान झारखंड में; 13-14 जून के दौरान बिहार में; 13-15 जून के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 15-17 जून के दौरान बिहार में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 11-12 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 12-17 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 11 जून को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 12-13 जून के दौरान बिहार और झारखंड में; 12-15 जून के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 11 जून को बिहार और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 11-12 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में; और 11-13 जून के दौरान झारखंड में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंके 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 11 से 17 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 11 से 15 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 11 जून और 14 से 17 जून के दौरान; असम और मेघालय में 14 से 17 जून के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 11 से 13 जून के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, अरुणाचल प्रदेश में 12 से 13 जून और असम व मेघालय में 11 से 13 जून के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 11 से 17 जून के दौरान गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; और 15 से 17 जून के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12-13 जून को कोंकण और गोवा में; 11-14 जून को मध्य महाराष्ट्र में; और 11-13 जून को मराठवाड़ा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 11-17 जून के दौरान रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में; 16-17 जून के दौरान लक्षद्वीप और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 11-12 जून और 14-17 जून के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 13-17 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 11-17 जून के दौरान तटीय कर्नाटक और केरल और माहे में; 11-15 जून के दौरान लक्षद्वीप और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 13 जून को उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 11-12 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 11-15 जून के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 13-17 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 11-13 जून के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 11-12 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में; 13-15 जून के दौरान केरल और माहे में; 11 जून को लक्षद्वीप में; 11 जून और 13-15 जून के दौरान तटीय कर्नाटक में; 12-13 जून के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 11-13 जून के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 12 जून को रायलसीमा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 11-12 जून के दौरान केरल और माहे में; 12 जून को तटीय कर्नाटक में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 11-12 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंके 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है। □ 11-12 जून के दौरान केरल और माहे में; और 11-15 जून के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में तेज़ सतही हवाएँ चलने की संभावना है।

दिन के अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 12 तारीख तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 5-7°C की गिरावट और उसके बाद 13-17 जून के दौरान 3-5°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है।
- ❖ मध्य भारत में 12 जून तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है और उसके बाद 2-3°C की धीरे-धीरे गिरावट हो सकती है।
- ❖ महाराष्ट्र में 13 तारीख तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3°C की बढ़ोतरी और उसके बाद 14-17 जून के दौरान कोई खास बदलाव न होने की संभावना है।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 17 जून 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

गर्मी की लहर, उमस भरी मौसम स्थितियों की चेतावनी:

- ❖ 11-12 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; 11-13 जून के दौरान तेलंगाना; और 11-12 जून के दौरान विदर्भ के कुछ इलाकों में लू (हीट वेव) चलने की बहुत संभावना है।
- ❖ 11-13 जून के दौरान कोंकण और गोवा; और 11-12 जून के दौरान मध्य महाराष्ट्र में मौसम गर्म और उमस भरा रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 11 जून से 15 जून, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 11 जून से 16 जून, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:

- ❖ बंगाल की खाड़ी: 11 से 16 जून के दौरान मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन, श्रीलंका के तटों, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में; 11 से 13 जून के दौरान पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी में।
- ❖ अरब सागर: 11 से 13 जून के दौरान कर्नाटक और केरल के तटों के पास, लक्षद्वीप इलाके, मालदीव इलाके और पूर्वी-मध्य अरब सागर से सटे इलाकों में; 13 से 16 जून के दौरान पूर्वी-मध्य और दक्षिण-पूर्व अरब सागर में; 11 से 16 जून के दौरान सोमालिया के तटों के पास और दक्षिण-पश्चिम व पश्चिम-मध्य अरब सागर से सटे इलाकों में; और 11, 12 व 14 जून को ओमान के तटों के पास और उनसे सटे समुद्री इलाकों में।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 11 से 14 जून 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: माथाभांगा 16;
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: मायाबंदर 13;
- ❖ तेलंगाना: चंद्रगोंडा (जिला बी. कोठागुडेम) 11, जूलुरपाड (जिला बी. कोठागुडेम) 10,
- ❖ असम: धुबुरी 10;
- ❖ बिहार: सुआपुल 10;
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: ईटानगर सीडब्ल्यूसी 9;
- ❖ तमिलनाडु: नेय्यूर एडब्ल्यूएस (जिला कन्याकुमारी) 9;
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: बांसगांव (गोरखपुर) 8;
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश: बापटला 13, तिरुवुरु (जिला एनटीआर जिला), मंगलागिरी (जिला गुंटूर) 8 प्रत्येक।

तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम (62);
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: उलूबेरिया (61); अलीपुर (60); नंदकुमार (50); हुगली (46); कल्याणी (44); श्यामपुर, कालना (43); निमपिथ (41);
- ❖ ओडिशा: मलकानगिरी (85);
- ❖ झारखंड: दुमका (70);
- ❖ बिहार: आईआईटी पटना (70);
- ❖ उत्तराखंड: मुक्तेश्वर-65, कोसियाकुटोली-56, जौलीग्रंट-56, मटेला-46, चंपावत-46, चमोली-43;
- ❖ पंजाब: मोहाली 68; पटियाला 63; संगरूर 56;
- ❖ हरियाणा: कैथल (कौल अम्फू) 72; कैथल 54; करनाल 52; पंचकुला 50; जिंद 46; हिसार 41;
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बुलन्दशहर (Aws)-83, बरेली (Aws)-76, शाहजहाँपुर (Aws)-63, गौतम बुद्ध नगर (Aws)-63, आगरा (laf)-63, शामली (Aws)-59, अलीगढ़ (Aws)-48;
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: सीतापुर (एडब्ल्यूएस) -63, लखनऊ (एपी) -56, वाराणसी (एपी) -56, लखनऊ (इंटीग्रल यूनिवर्सिटी एडब्ल्यूएस) -52, मिर्जापुर (एडब्ल्यूएस) -50, बलिया (ओ) -50, बलिया (एडब्ल्यूएस) -48, वाराणसी (भू) -46;
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: आगर, सीहोर 44 इंदौर, अशोकनगर 43;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर 54, शहडोल 43, जबलपुर 41;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: तलेगांव (पुणे) - 46, नारायणगांव (पुणे) - 48;
- ❖ मराठवाड़ा: अम्बेजोगाई (बीड) - 48, लातूर - 43;
- ❖ गुजरात क्षेत्र: अरनेज(अहम)56;
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: भचाऊ एएमएफयू (कच्छ) 67;
- ❖ तमिलनाडु: घंटा_विजयनगरम (द_नीलगिरिस)-59;
- ❖ त्रिपुरा:40 |

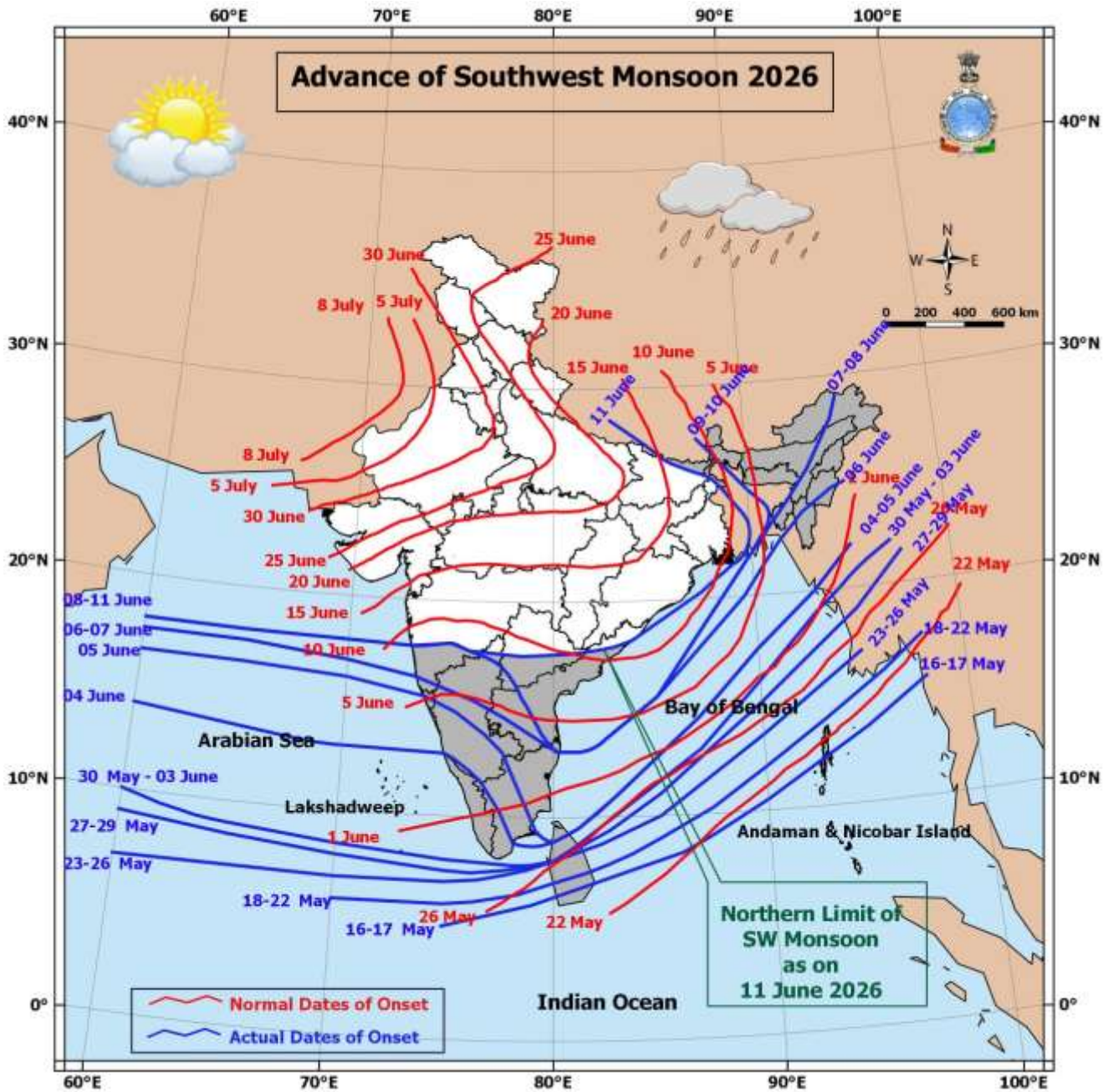
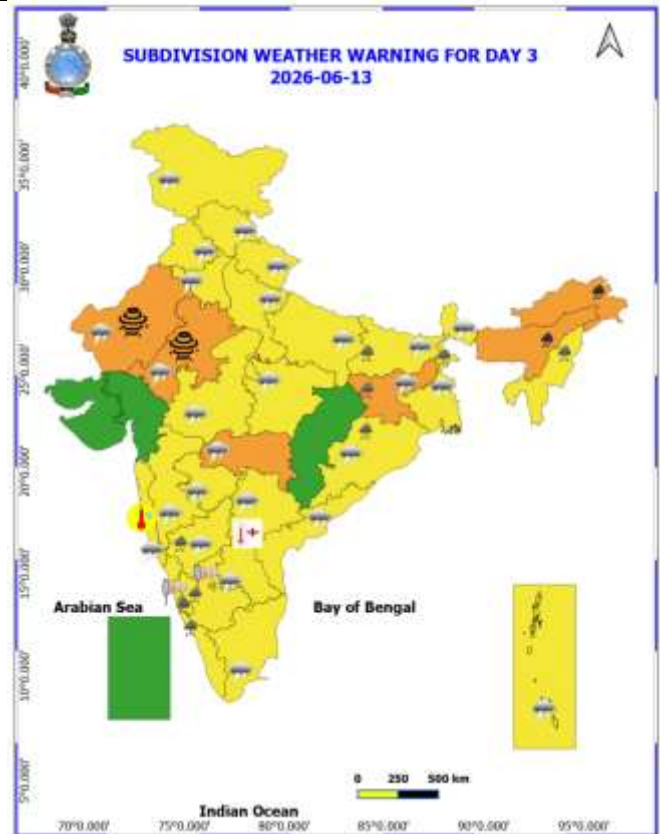
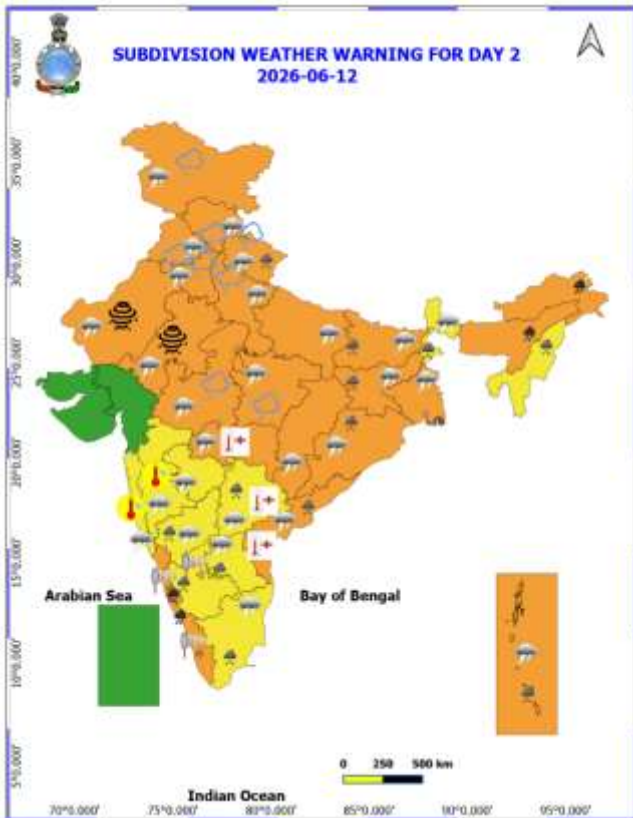
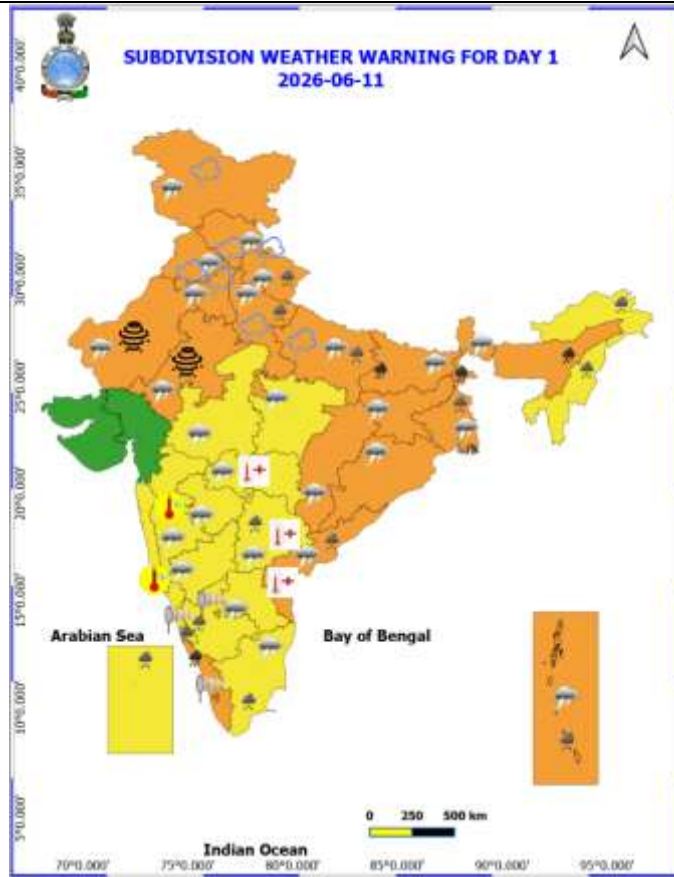
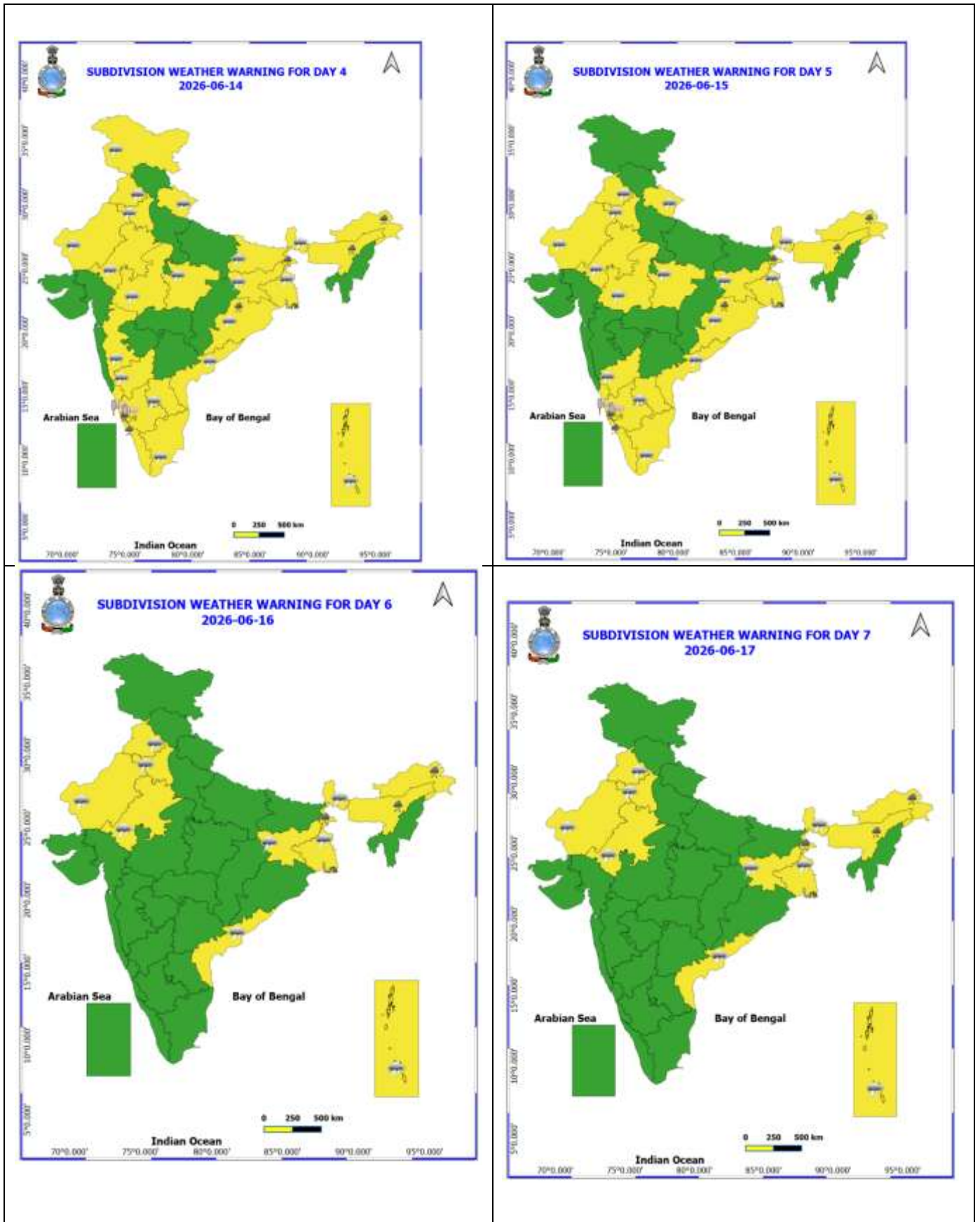


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	11- Jun	12- Jun	13- Jun	14- Jun	15- Jun	16- Jun	17- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
7	ODISHA	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
9	BIHAR	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	WS	WS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
29	TELANGANA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

11 से 14 जून 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछले 24 घंटों का मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C की गिरावट और न्यूनतम तापमान में 1-5°C की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 42-44°C और न्यूनतम तापमान 29-31°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ़ रहा और ज़मीन पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 25 किमी प्रति घंटा रही। आज सुबह के समय इलाके में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटा की गति से हवा चलने की संभावना है, जिसके झोंके 40 किमी प्रति घंटा तक हो सकते हैं।

मौसम का पूर्वानुमान:

11.06.2026: सुबह आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और दोपहर तक आम तौर पर बादल छा जाएंगे। दोपहर के समय बहुत हल्की/हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली/धूल भरी आंधी और ज़मीन पर 50-60 किमी प्रति घंटा की तेज़ हवा चलने की संभावना है, जिसके झोंके 70 किमी प्रति घंटा तक हो सकते हैं। शाम/रात के समय हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी/बिजली/धूल भरी आंधी और ज़मीन पर 50-60 किमी प्रति घंटा की तेज़ हवा चलने की संभावना है, जिसके झोंके 70 किमी प्रति घंटा तक हो सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 38°C से 40°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज्यादातर समय ज़मीन के पास हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी और दोपहर के समय इसकी रफ़्तार 25 kmph तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार कम होकर 20 kmph हो जाएगी और यह पूर्व दिशा से चलेगी।

12.06.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर से पहले बहुत हल्की/हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने और ज़मीन के पास तेज़ हवा (40-50 kmph, झोंके 60 kmph तक) चलने की संभावना है। दोपहर/शाम के समय भी बहुत हल्की/हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने और ज़मीन के पास तेज़ हवा (40-50 kmph, झोंके 60 kmph तक) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा; वहीं कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से बहुत ज्यादा कम (-5.1°C या उससे कम) रहेगा। ज्यादातर समय ज़मीन के पास हवा पूर्व दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी रफ़्तार 18 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ़्तार धीरे-धीरे बढ़कर 20 kmph हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार बढ़कर 25 kmph हो जाएगी और यह पूर्व दिशा से चलेगी।

13.06.2026: आसमान में कुछ बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की/हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने और ज़मीन के पास तेज़ हवा (40-50 kmph, झोंके 60 kmph तक) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहने की संभावना है। सुबह के समय ज़मीन के पास मुख्य रूप से पूर्वी हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 25 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पूर्वी हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर 20 किमी/घंटा तक रह जाएगी। शाम और रात के समय पूर्वी हवा की गति कम होकर 18 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

14.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37°C से 39°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर

न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा; वहीं अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पूर्वी हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर पश्चिमी दिशा से 15 किमी/घंटा तक रह जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिमी दिशा से 12 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

बिजली चमकने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

धूल भरी हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने और बिजली चमकने व तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।

- संभावित असर: पेड़ों की टहनियां टूटना

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 11-12 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी राजस्थान में; और 11 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तेज़ हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी/घंटा, झोंके 80 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 11-12 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में; 12 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 13 जून को पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में; 12 जून को पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 12-13 जून के दौरान विदर्भ में; 11-12 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में; 11-12 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में; 11-13 जून के दौरान झारखंड में; और 11-12 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तेज़ हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंके 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 11-12 जून के दौरान हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, पंजाब, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 11 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 12 जून को पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।

- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ उत्तराखंड में 11-12 जून; पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 11 जून; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 11-12 जून; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 12-17 जून; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 11 जून; बिहार और झारखंड में 12-13 जून; ओडिशा में 12-15 जून; अरुणाचल प्रदेश में 11 जून और 14-17 जून; असम और मेघालय में 14-17 जून; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 11-13 जून; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा तेलंगाना में 11-12 जून; केरल और माहे में 13-15 जून; लक्षद्वीप में 11 जून; तटीय कर्नाटक में 11 जून और 13-15 जून; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 12-13 जून; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 11-13 जून; रायलसीमा में 12 जून को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ बिहार और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 11 जून; अरुणाचल प्रदेश में 12-13 जून; असम और मेघालय में 11-13 जून; केरल और माहे में 11-12 जून; तटीय कर्नाटक में 12 जून को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

लू की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 11-12 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; 11-13 जून के दौरान तेलंगाना; और 11-12 जून के दौरान विदर्भ के कुछ इलाकों में लू (हीट वेव) चलने की बहुत संभावना है।

चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तेज़ तापमान और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में अधिक है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे- शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के स्वास्थ्य के लिए यह एक बड़ी चिंता का विषय है।

- ❖ धूप में निकलने से बचें और खुद को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ, भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने के लिए ORS या घर पर बने पेय पदार्थ (जैसे- लस्सी, तोरानी/चावल का पानी, नींबू पानी, छाछ आदि) का सेवन करें।
- ❖ लू (हीट वेव) की स्थिति के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 5-6 जून; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 9-11 जून; पश्चिमी राजस्थान में 8-11 जून; और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 9-11 जून के दौरान कुछ इलाकों में लू चलने की बहुत संभावना है।
- ❖ अलर्ट वाले क्षेत्र
- ❖ ज्यादा तापमान और लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में लू से जुड़ी बीमारी के लक्षण दिखने की ज्यादा संभावना।
- ❖ कमज़ोर लोगों (जैसे शिशु, बुजुर्ग, और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) की सेहत को लेकर ज्यादा चिंता।
- ❖ धूप में जाने से बचें - खुद को ठंडा रखें। डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएँ - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए ORS, घर पर बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का इस्तेमाल करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में, फलों के बागानों और सब्जीवर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें। जलभराव से बचाव हेतु खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- मध्य प्रदेश में, परिपक्व मूंग, आम और सब्जियों की कटाई / तुड़ाई कर कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अरुणाचल प्रदेश** में, जलजमाव से बचाव हेतु सब्जियों, मक्का, धान की नर्सरी और खड़ी फसलों के खेतों में पानी की निकासी सुनिश्चित करें। भारी बारिश के बाद धान की नर्सरी में जमा पानी को तुरंत निकाल दें ताकि पौधों को नुकसान न हो। भारी बारिश से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु धान की नर्सरी को पॉलीथीन शीट या पुआल की मलच से ढक दें।
- **असम** में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक, सब्जियों, केले, खट्टे फलों और पपीते के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साली धान की नर्सरी बुवाई को कुछ समय के लिए स्थगित कर दें। धान की नर्सरी की क्यारियों को पतली पॉलीथीन शीट से ढक दें। गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए उसे यांत्रिक सहारा प्रदान करें।
- **मेघालय** में, मक्का, अदरक, लोबिया और सब्जियों के खेतों तथा केले के बागों से बारिश के अतिरिक्त जल निकासी के लिए आवश्यक प्रबंध करें। छोटे पौधों को भारी बारिश से सीधे संपर्क में आने से बचाएं। अधिक भार से झुके हुए पौधों को सहारा देने के लिए प्रॉपिंग (बांस या लकड़ी के डंडों) का उपयोग करें।
- **त्रिपुरा** में, बोड़ो धान की कटाई करें और कटी हुई उपज को तुरंत सुरक्षित जगह पर स्थानांतरित करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, धान और सब्जियों की कटी हुई फसल को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें। अदरक, टमाटर और डल्ले खोरसानी के खेतों और खरीफ धान व सब्जियों की नर्सरी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- उत्तराखंड में, भारी बारिश के दौरान धान की नर्सरी और सब्जियों की बुवाई न करें। टमाटर के पौधों की शुरुआती बढ़त के समय उन्हें सहारा (स्टेकिंग) दें।
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** में, नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और थालों के आस-पास पानी जमा होने से बचें।
- **केरल** में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों से जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें और सब्जियों के पंजालों को मजबूत करें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाईं न करें।

- **तमिलनाडु** में, धान, बाजरा (कंबू), मूंगफली, गन्ना, केला और सब्जियों में जल जमाव को रोकने के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। कटाई की गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- **दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश** में, खड़ी फसलों के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
- **कर्नाटक** में, धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों तथा अन्य खड़ी फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। कटाई की गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। टमाटर के पौधों को स्टेकिंग प्रदान करें।
- **तेलंगाना** में, सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें ताकि बारिश के मौसम में पानी जमा न हो सके। तोड़े गए सब्जियों और फलों को छाया में रखें और उन्हें तिरपाल या प्लास्टिक की चादर से ढक दें ताकि बारिश के पानी से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।

उच्च तापमान / ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश** में, सब्जियों की नर्सरी में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **विदर्भ** में, सब्जी की फसलों और फलों के बागानों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **तेलंगाना** में, टमाटर की फसल में मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए मलचिंग करें तथा पत्तियों पर कैल्शियम नाइट्रेट, 5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

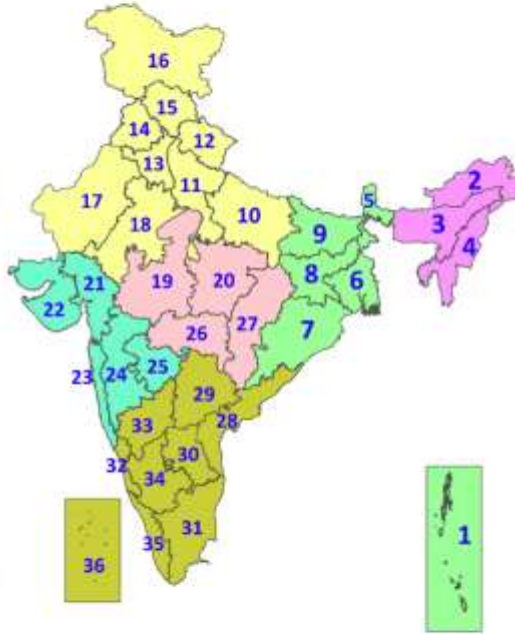
मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।

- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	<p>Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *</p> <p>Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*</p> <p>Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *</p>
Heat Wave	<p>When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions</p> <p>(a) Based on Departure from normal</p> <p>Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C.</p> <p>Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$</p> <p>(b). Based on Actual maximum temperature</p> <p>Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.</p> <p>Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$</p> <p>(c). Criteria for heat wave for coastal stations</p> <p>When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$</p>
Warm Night	<p>When maximum temperature remains 40°C</p> <p>Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C.</p> <p>Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.</p>
Cold Wave	<p>When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.</p> <p>(a). Based on departure</p> <p>Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C.</p> <p>Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$</p> <p>(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)</p> <p>Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$</p> <p>Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$</p> <p>(c) For Coastal Stations</p> <p>When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$</p>
Cold Day	<p>When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions</p> <p>Based on departure</p> <p>Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C.</p> <p>Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$</p>
Fog	<p>Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$</p> <p>Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres</p> <p>Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres</p> <p>Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres</p>
Thunderstorm	<p>Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)</p>
Dust/Sand Storm	<p>An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.</p>
Frost	<p>Ice deposits on ground</p> <p>Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)</p>
Squall	<p>A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.</p> <p>Moderate: Wind speed 52-61 kmph</p> <p>Severe: Wind speed 62-87 kmph</p> <p>Very Severe: Wind speed > 87 kmph</p>
Sea State	<p>Effect of various waves in the sea over specific area</p> <p>Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre</p> <p>High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre</p> <p>Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre</p>
Cyclone	<p>Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)</p> <p>Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)</p> <p>Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 - knots)</p> <p>Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)</p> <p>Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)</p>

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)